TREATMENT INJUSTICE (NGO)

PSORIASIS DISEASE

किटिभ कुष्ठ रोग

जानिए क्या है किटिभ कुष्ठ (Psoriasis)

Psoriasis (Autoimmune Disease) एक त्वचा रोग है, जो immune system के imbalance/overactive response से जुड़ा हो सकता है। इसमें त्वचा पर लाल-सफेद, उभरे हुए और पपड़ीदार चकत्ते दिखाई दे सकते हैं। ये चकत्ते कभी आपस में मिले हुए और कभी अलग-अलग भी दिखाई दे सकते हैं।

Immune System के imbalance या overactive response के कारण त्वचा की cells तेजी से बनने लगती हैं, जिससे plaques बन सकते हैं। ये plaques लाल, पपड़ीदार, सूखे और खुजलीयुक्त हो सकते हैं, जिससे त्वचा मोटी दिखाई दे सकती है। यह अधिकतर सिर/स्कैल्प, पीठ के निचले हिस्से, कोहनियों, घुटनों, हथेलियों या पैरों के तलवों पर दिखाई दे सकते हैं। हालांकि, यह शरीर पर कहीं भी और नाखूनों के अंदर भी हो सकते हैं।

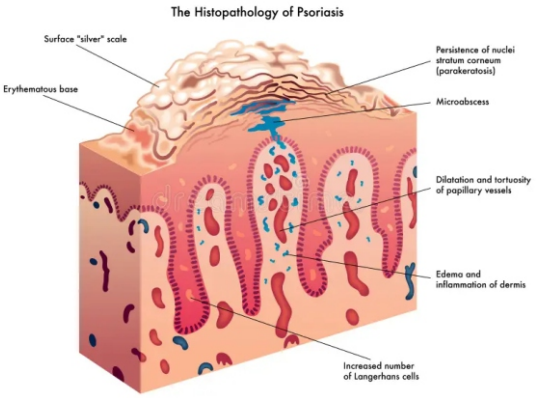

आयुर्वेद के अनुसार यह वात और पित्त के असंतुलन से जुड़ी समस्या मानी जाती है। ये दोष सिराओं/रक्त वाहिनियों में पहुंचकर रक्त को दूषित कर सकते हैं, जिससे Psoriasis जैसी त्वचा समस्याएं बढ़ सकती हैं। इसमें त्वचा सामान्य से अधिक लाल, रूखी, पपड़ीदार और मोटी दिखाई दे सकती है। इस बीमारी का इलाज कठिन और लंबे समय तक चलने वाला होता है, अतः रोगी को संयम रखकर इलाज करवाना चाहिए। इसका इलाज कई चरणों में करना होता है। जीना सीखो के वैद्य बताते हैं कि आयुर्वेदिक पद्धति में शोधन तथा दवाओं के प्रयोग से और नियमित खान-पान एवं लाइफस्टाइल को अपनाकर इसे बेहतर तरीके से मैनेज किया जा सकता है।

Modern medicine यानी allopathy में psoriasis जैसी chronic skin condition को आमतौर पर long-term management की जरूरत होती है। इसमें कई बार steroid creams, immunosuppressive medicines या strong medications दी जाती हैं, जिनके use से कुछ लोगों में side effects देखने को मिल सकते हैं। आगे के पेज पर allopathy में इस्तेमाल होने वाली कुछ medicines के संभावित side effects research references के साथ बताए गए हैं।

Ayurveda, Naturopathy और Panchakarma approach में diet, lifestyle, detoxification support और skin health management पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिससे शरीर के balance और overall wellness को support करने में मदद मिल सकती है।

Psoriasis में दी जाने वाली दवाओं के संभावित साइड इफेक्ट्स

- Methotrexate (Trade names: Lantarel, Metex, MTX Hexal, Methotrexat AL, for example)
- Fumaric acid esters (trade name: Fumaderm)
- Ciclosporin (trade names: Ciclosporin Pro, Ciqorin, Sandimmun, for example)
- Less common: Acitretin (trade name: Acicutan)

यदि इन दवाओं से पर्याप्त राहत न मिले या ये किसी कारण से suitable न हों, तो biological treatments/biologics का उपयोग किया जा सकता है। ये दवाएं biotechnology process से बनाई जाती हैं।

- Adalimumab (Humira)
- Etanercept (Benepali, Enbrel)
- Infliximab (Flixabi, Inflextra, Remicade, Remsima)
- Ixekizumab (Taltz)
- Secukinumab (Cosentyx)
- Ustekinumab (Stelara)

एक अन्य विकल्प Apremilast (Otezla) है, जो दवाओं की एक अलग category से संबंधित है।

Psoriasis की अंग्रेज़ी दवाएं लिवर, किडनी और इम्यून सिस्टम के लिए खतरा

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/books/NBK435704/

Psoriasis में दी जाने वाली इस अंग्रेज़ी दवा की कम मात्रा भी लिवर फेल का कारण बन सकती है

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/books/NBK556114/

Neurotoxicity: Cyclosporine लेने के बाद convulsions और encephalopathy के cases देखे गए

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/books/NBK482450/

PSORIASIS दवाओं के साइड इफेक्ट्स

दवा के इस्तेमाल के बाद T-cells और Helper T-cells में कमी आती है।

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC2724664/#:~:text=One%20of%20the,epidermal%20inflammatory%20infiltrate

Severe acute hepatitis due to acitretin

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/books/NBK548784/#:~:text=Case%202.%20Severe,for%20gastroesophageal%20reflux

Side effects में serious infection से cancer तक का खतरा

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/books/NBK570645/#:~:text=Serious%20Reactions,or%20eosinophilic%20pneumonia

Side Effects are :

More common in patients taking additional immunosuppressive therapy.
Infusion-related reactions (Fever, Pruritis, Anaphylaxis, etc.)

Headache | Nausea | Abdominal pain | ALT elevation | Dyspepsia | Diarrhea Constipation | Hepatotoxicity - (There have been reported cases severe enough to be fatal and to necessitate a liver transplant) | Heart failure Hypertension | Anemia | Leukopenia | Neutropenia | Thrombocytopenia - (patients should seek immediate medical care if they develop symptoms of an infection) | Demyelination disease | Paradoxical reaction Tuberculosis reactivation | Malignancy (half of the cases reported are Lymphomas) | Reactivation of hepatitis B | Psoriasis | Lupus-like syndrome

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/books/NBK500021/#:~:text=Infliximab%20is%20a%20generally,is%20advisable%20if%20serious

Transient vision loss: Has been reported within 2 hours of the infusion; stopping the drug may be advisable if symptoms are serious.

Risk of cancer with long-term use of TCI (A black box warning)

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC5518573/#:~:text=plaques.%5B63%5D-,Adverse%20effects,significant%20with%20tacrolimus%20than%20pimecrolimus

आयुर्वेद में सोरायसिस का उपचार

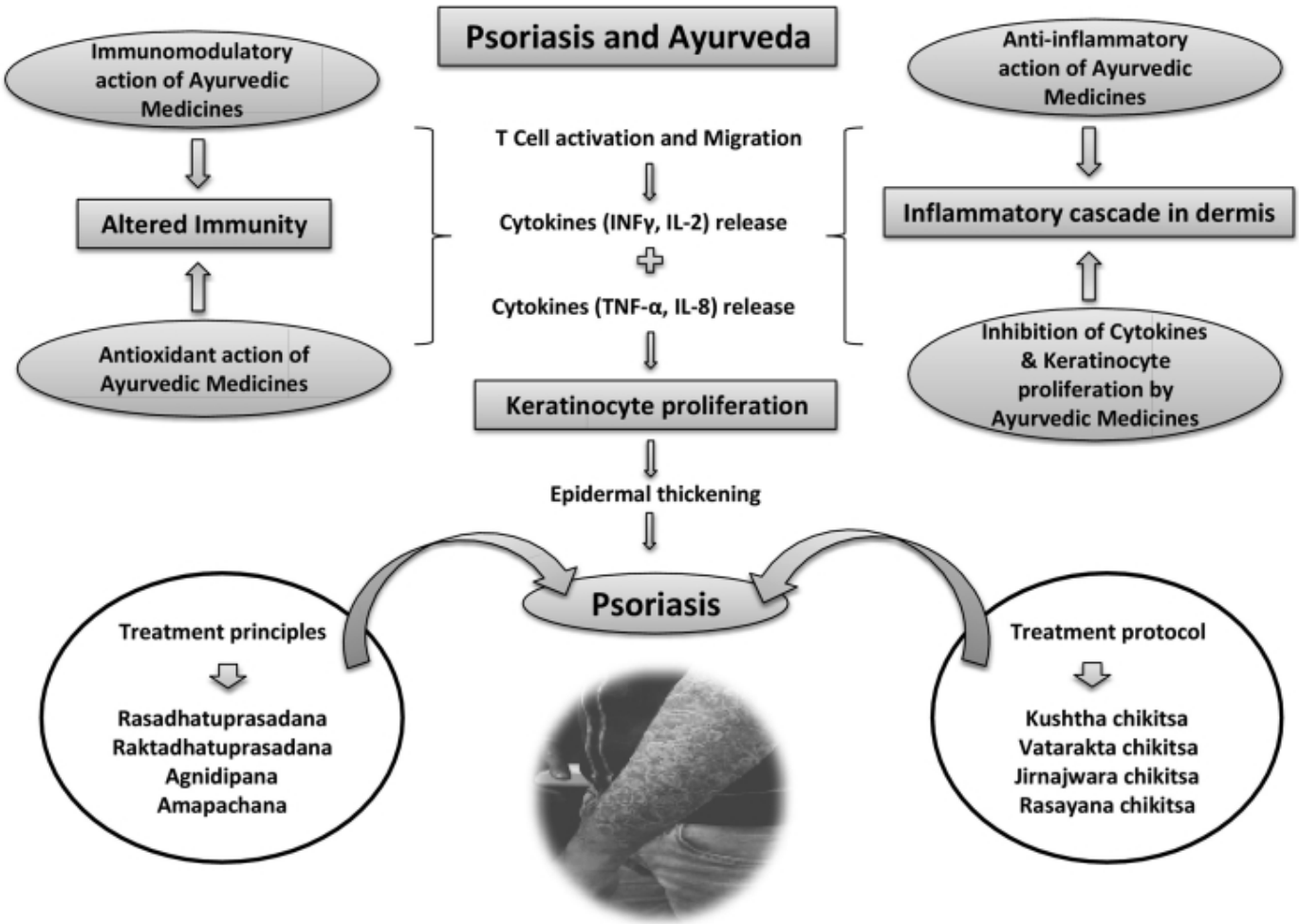

पौधों पर आधारित आहार त्वचा रोगों के उपचार में मदद करते हैं

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC10343921/#:~:text=72%25%20of%20Pagano%2C%2070% 25,OR%200.22%2C%20p%20%3C%200.0001.&text=303%20patients%20between%2018%20and,to%20severe%20chronic%20plaque%20psoriasis

पंचकर्म की वमन थेरेपी से सोरायसिस में आराम मिलता है

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC3361923/

वमन और विरेचन थेरेपी सोरायसिस के उपचार में सुरक्षित मानी जाती हैं

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC3800954/

आयुर्वेद में सोरायसिस का उपचार

हर्बल औषधियों और पंचकर्म से सोरायसिस के management में मदद मिल सकती है

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC8039350/#:~:text=The%20patient%20presented,psoriasis%20were%20found

Potential implications of Ayurveda in Psoriasis

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC3326877/#:~:text=A%20detailed%20study%20of,Shankhpushphi%20in%20increasing%20proportion

Management of Erythrodermic Psoriasis through Ayurveda

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC8784040/#:~:text=Go%20to%3A-,PHOTOGRAPHS,at%20the%20time%20of%20discharge%20and%20at%20the%20first%20follow%20up.,-Figure%201

त्वचा के सभी रोगों का समाधान

विरेचन कर्म द्वारा

सोरायसिस, लिवर के रोग, एग्जिमा व एलर्जी में किया जाता है। इसके अतिरिक्त पक्षाघात, ग्रन्थिरोग व मधुमेह आदि में भी विरेचन कर्म लाभदायक है।

वमन कर्म कब किया जाता है?

वमन कर्म आयुर्वेद की पंचकर्म therapy में से एक है, जिसे विशेष रूप से कफ दोष से जुड़ी समस्याओं में उपयोगी माना जाता है। यह therapy शरीर में जमा toxins को बाहर निकालने और digestive-metabolic balance को support करने में मदद कर सकती है।

किन समस्याओं में सहायक माना जाता है?

Psoriasis, eczema, acne, allergic conditions, chronic cough, asthma, obesity, indigestion और excessive mucus जैसी conditions में चिकित्सकीय सलाह के अनुसार वमन कर्म किया जा सकता है।

VAMANA THERAPY BENEFITS:

- Supports immunity
- Supports digestion and metabolism
- Helps in Kapha balance
- May support skin health in conditions like psoriasis and eczema
- Helps in detoxification under expert guidance
- Supports respiratory wellness in Kapha-related conditions

Ayurveda

पंचकर्म

के महत्व को समझें..!

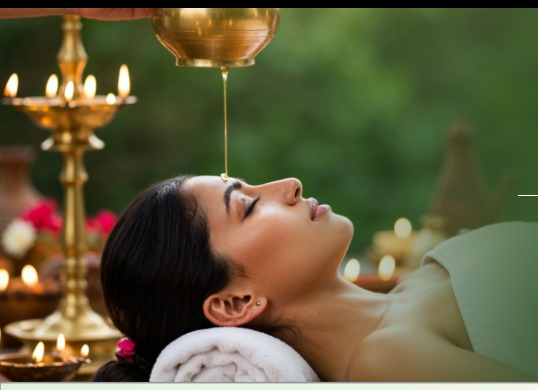

पंचकर्म आपके शरीर का नया जन्म है

Dr. Naresh Trehan
Renowned cardiac surgeon and
Founder of Medanta, Gurugram

पंचकर्म बॉडी डिटॉक्स का साधन है

Dr. SK Sarin
Renowned liver Expert
Director of the Institute of Liver and Biliary Sciences

पंचकर्म प्रत्येक व्यक्ति को करवाना चाहिए,
मनुष्य के स्वास्थ्य को बनाए रखने का यह एक प्रमुख स्त्रोत है।

Prof. ISH SHARMA
MD, Ph.D Ayurveda
Ayurveda Ambassador (Mauritius)

https://www.instagram.com/reel/DUSRSkvCNMG/?igsh=ZzJmdWUxb2FheXdl

हम अपने घर की रोज़ साफ-सफाई (Dusting) करते हैं, फिर भी दिवाली पर सफाई करने पर घर के हर कोने से सामान और गंदगी निकलती है। उसी तरह भले ही हम अपने शरीर को शुद्ध रखने की कोशिश करते हैं, फिर भी इसकी पंचकर्म शुद्धि अत्यंत आवश्यक है।

जिस प्रकार हम समय-समय पर अपने स्कूटर, बाइक और कार की सर्विस करवाते हैं, उसे ठीक रखने के लिए। उसी प्रकार..

अपने शरीर की शुद्धि (Servicing) क्यों नहीं करवाते..?

क्या आप भी लाखों लोगों की तरह

केमिकल वाली ड्रग्स

के साइड इफेक्ट्स से छुटकारा पाना चाहते हैं..?

तो आज ही अपनी पंचकर्म शुद्धि JOURNEY शुरू करें।